संपादकीय

वैक्सीनेशन की चुनौती

ऐसे वक्त में जब देश में कोरोना संकट की दूसरी लहर गंभीर स्थिति पैदा कर रही है, वैक्सीन ही अंतिम कारगर उपाय नजर आता है। शुक्रवार को संक्रमितों का आंकड़ा 1.30 लाख पार कर जाना चिंता बढ़ाने वाला है। ऐसे में बचाव के परंपरागत उपायों के साथ टीकाकरण अभियान को गति देने की जरूरत है ताकि देश लॉकडाउन जैसे उपायों से परहेज कर सके। पिछली बार सख्ती से जहां देश की आर्थिक स्थिति पर प्रतिकूल असर पड़ा था, वहीं एक बड़ी आबादी को शहरों से गांवों की ओर विस्थापित होना पड़ा था। बड़े पैमाने पर रोजगार का संकट भी पैदा हुआ था। बहरहाल,नयी चुनौती के बीच दिल्ली, महाराष्ट्र और पंजाब समेत कई राज्यों ने रात्रि कर्फ्यू जैसे उपायों को अपनाना शुरू कर भी दिया है। आंशिक बंदी, कन्टेनमेंट जोन बनाने और सार्वजनिक सभाओं पर रोक लगायी जा रही है। ऐसे में टीकाकरण अभियान लक्षित वर्ग विशेष व आयु वर्ग के हिसाब से देश में चल रहा है। स्वास्थ्यकर्मियों, फ्रंटलाइन वर्कारों, साठ साल से अधिक आयु वर्ग के लोगों को टीकाकरण का लाभ देने के बाद अब 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोगों को टीका लगाने का कार्य शुरू हो चुका है। लेकिन एक तथ्य यह भी है कि 45 आयु वर्ग से नीचे के लोगों को भी कोरोना अपना शिकार बनाता रहा है, जिसके लिये भी टीकाकरण की जरूरत महसूस की जा रही है। दरअसल, टीकाकरण अभियान की विसंगतियों को दूर करके इस अभियान में तेजी लाने की जरूरत है। वैक्सीन आपूर्ति को लेकर गैर भाजपा शासित राज्यों की शिकायतों के बाद आरोपों-प्रत्यारोपों का सिलसिला भी जारी है। वहीं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री इस मुद्दे पर राजनीतिक बयानबाजी को अनुचित बताते हैं और कहते हैं कि पर्याप्त मात्रा में वैक्सीन की आपूर्ति की जा रही है। उनका मानना है कि ऐसी बयानबाजी से जहां लोगों का मनोबल प्रभावित होता है, वहीं देश की अंतर्राष्ट्रीय छवि पर प्रतिकूल असर पड़ता है।

वहीं दिल्ली सरकार के सभी वर्ग के लोगों के लिये वैक्सीनेशन शुरू करने के सुझाव के बाबत केंद्रीय मंत्री कहते हैं कि अब तक लक्षित समूहों का टीकाकरण का लक्ष्य पूरा न करने वाले राज्य सबके लिये टीकाकरण की मांग कर रहे हैं, जो कि तार्किक नहीं है। निस्संदेह ऐसा कोई टकराव कोरोना के खिलाफ हमारी लड़ाई कमजोर ही करेगा। बहरहाल, कोरोना संकट की भयावहता को देखते हुए कोविड-19 की वैक्सीनों का उत्पादन बढ़ाने की जरूरत महसूस की जा रही है। दुनिया की सबसे बड़ी वैक्सीन उत्पादक कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने वैक्सीन उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के लिये तीन हजार करोड़ रुपये के अनुदान की मांग की है। निस्संदेह ऐसे मुश्किल वक्त में जीवन रक्षक उद्यम के लिये खजाना खोलने में केंद्र को संकोच नहीं करना चाहिए। प्रयोग की जा रही दो वैक्सीनों के अलावा अन्य वैक्सीनों के उत्पादन पर भी विचार होना चाहिए। इसी क्रम में रूसी वैक्सीन स्पुतनिक को भी आपातकालीन उपयोग के लिये उत्पादन हेतु अनुमति दिये जाने की जरूरत है। इस बाबत रूसी निवेश के जरिये भारतीय कंपनियों के साथ देश में वैक्सीन उत्पादन के लिये करार किया गया है। इस मुहिम के सिरे चढ़ने से वैक्सीनेशन अभियान में तेजी आयेगी। दरअसल, अंतर्राष्ट्रीय अनुबंधों के चलते सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया को वैक्सीन की सप्लाई में तेजी लाने में दिक्क त आ रही है। उसका कहना है कि अमेरिका व यूरोपीय देशों द्वारा वैक्सीन में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल के निर्यात पर रोक लगाने से उत्पादन प्रभावित हुआ है। वहीं अंतर्राष्ट्रीय कोवैक्स कार्यक्रम के तहत वैक्सीन देने के लिये सीरम इंस्टीट्यूट कानूनी रूप से बाध्यकारी है। उसे ग्लोबल अलायंस फॉर वैक्सीन्स एंड इम्युनाइजेशन के तहत विकासशील मुल्कों को वैक्सीन देनी ही होगी। वहीं मांग की जा रही है कि देश में कोरोना संक्रमितों के आंकड़ों में तेजी के बाद वैक्सीन डिप्लोमैसी बंद की जानी चाहिए और पहले घरेलू जरूरतों को पूरा किया जाना चाहिए। वैसे पिछले माह संसद में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री आश्वासन दे चुके हैं कि भारतीयों की कीमत पर वैक्सीन का निर्यात नहीं किया जायेगा।

संक्रमण की दूसरी लहर की चपेट में सर्विस सेक्टर, लॉकडाउन से होटल, पर्यटन व रिटेल सेक्टर पर असर

नईदिल्ली । कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर के कारण देश के कई हिस्सों में लगाए जा रहे आंशिक व सप्ताहांत लॉकडाउन एवं रात्रि कर्फ्यू से सेवा क्षेत्र से जुड़े पर्यटन, होटल, रेस्त्रां व रिटेल सेक्टर के कारोबार में 20 फीसद तक की गिरावट की आशंका जाहिर की जा रही है। आंशिक लॉकडाउन व रात्रि कर्फ्यू से श्रमिकों की आवाजाही भी प्रभावित होगी, जिससे औद्योगिक उत्पादन पर असर पड़ेगा।

रेटिंग एजेंसी मूडीज ने इस प्रकार के लॉकडाउन के कारण हवाई यात्रा में भी गिरावट की आशंका जाहिर की है।फेडरेशन ऑफ होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के मुताबिक कोरोना की पहली लहर के बाद 20 फीसद होटल अब तक नहीं खुल पाए हैं। अधिकतर होटल कोरोना पूर्व काल के मुकाबले 50 फीसद क्षमता के साथ काम कर रहे हैं और अब महाराष्ट्र में लॉकडाउन जैसी स्थिति व अन्य राज्यों में रात्रि कर्फ्यू से उनका कारोबार और कम हो जाएगा। और देर रात तक भीड़ की इजाजत नहीं होने से लोग पार्टी करने से परहेज करने लगे हैं।रिटेल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सीईओ कुमार राजगोपालन कहते हैं, 'महाराष्ट्र में जिस प्रकार के लॉकडाउन की घोषणा की गई है उससे वहां के रिटेल कारोबार में 40 फीसद तक तो सप्ताहांत के लॉकडाउन व रात्रि कर्फ्यू से रिटेल कारोबार में 15 से 20 फीसद तक की गिरावट आएगी।

वी-मार्ट के सीएमडी ललित अग्रवाल कहते हैं कि उनकी बिक्री पर कम से कम 20 फीसद तक का असर हो सकता है। रात्रि कर्फ्यू और आंशिक लॉकडाउन ग्राहक को खरीदारी के लिए हतोत्साहित करते हैं।आंशिक लॉकडाउन के साथ-साथ पर्यटन के लिए कई राज्यों में कोरोना जांच को अनिवार्य किए जाने की वजह से पर्यटन पर भी दुष्प्रभाव दिखने लगा है।

वित्त वर्ष 2020-21 में गोल्ड ईटीएफ में निवेश चार गुना बढ़कर 6,900 करोड़

नईदिल्ली । जोखिम बढ़ने और कोविड-19 महामारी के बीच अनिश्चितता के चलते निवेशकों का सोने के सुरक्षित निवेश की ओर आकर्षण बढ़ा है। बीते वित्त वर्ष 2020-21 में गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) में निवेशकों ने 6,900 करोड़ रुपये डाले। यह लगातार दूसरा वित्त वर्ष रहा जब गोल्ड ईटीएफ में निवेश हुआ है। वहीं इससे पहले 2013-14 से गोल्ड ईटीएफ से लगातार निकासी देखने को मिली थी। माईवेल्थग्रोथ. कॉम के सह-संस्थापक हर्षद चेतनवाला ने कहा कि इस बात की संभावना काफी कम है कि चालू वित्त वर्ष में भी गोल्ड ईटीएफ में इतना ही निवेश हो।

कोरोना के बढ़ते मामलों से विदेशी निवेशक में बैठा डर, अप्रैल में अबतक बाजारों से 929 करोड़ निकाले

नईदिल्ली । विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अप्रैल में अबतक भारतीय बाजारों से 929 करोड़ रुपये निकाले हैं। कोविड-19 संक्रमण के मामले बढ़ने के बीच आर्थिक पुनरुद्धार प्रभावित होने की आशंका के चलते विदेशी निवेशक भारतीय बाजार से निकासी कर रहे हैं। इससे पहले मार्च में एफपीआई ने भारतीय बाजारों में 17,304 करोड़ रुपये, फरवरी में 23,663 करोड़ रुपये और जनवरी में 14,649 करोड़ रुपये डाले थे। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एक से नौ अप्रैल के दौरान विदेशी निवेशकों ने शेयरों से 740 करोड़ रुपये और ऋण या बांड बाजार से 189 करोड़ रुपये निकाले हैं।

इस तरह उनकी शुद्ध निकासी 929 करोड़ रुपये रही है। कोटक सिक्योरिटीज के कार्यकारी उपाध्यक्ष, बुनियादी शोध प्रमुख रुस्मिक ओझा ने कहा कि कोविड के मामले बढ़ने तथा डॉलर की तुलना में रुपये में गिरावट की वजह से एफपीआई निकासी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मौद्रिक समीक्षा बैठक में रिजर्व बैंक ने सबको हैरान करते हुए चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में एक लाख करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियों (जी-सेक) की खरीद की घोषणा की।

क्राफ्ट पेपर के दाम आसमान छुते आये नजर, कीमतों को नियंत्रण करने के लिए सरकार के हस्तक्षेप की मांग की

नईदिल्ली । कोरोना के चलते कच्चे माल की कीमतों में लगातार उछाल, आयात में दिक्कत और समुद्री माल भाड़े में बेतहाशा वृद्धि के कारण कागज महंगा हो रहा है। पैकेजिंग के लिए उपयोग होने वाले क्राफ्ट पेपर की कीमतें दोगुनी से भी अधिक हो गई हैं। उद्योगों के लिए भी पैकेजिंग की लागत 30 से 35 फीसद तक बढ़ गई है।

कीमतों पर नियंत्रण के लिए उद्यमियों ने सरकार से हस्तक्षेप की मांग की है। पैकेजिंग में इस्तेमाल होने वाले क्राफ्ट पेपर में 90 फीसद योगदान रद्दी कागज का

होता है। इसका आयात यूरोप, अमेरिका, पश्चिम एशिया समेत कई देशों से किया जाता है।इंडियन एग्रो पेपर इंडस्ट्री के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट अनिल कुमार ने कहा कि वैश्विक बाजार में रद्दी कागज की किल्लत के अलावा समुद्री माल भाड़ा भी चार गुना तक बढ़ गया है।

इससे आयात करना महंगा पड़ रहा है। ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ मास्टर प्रिंटर्स के अध्यक्ष प्रो कमल चोपड़ा ने कहा कि चीन ने प्रदूषण समस्याओं के चलते रद्दी के आयात पर रोक लगा दी है। वहां पर पैकेजिंग के लिए क्राफ्ट पेपर की मांग है।

ऐसे में दुनियाभर के कई छोटे-छोटे निर्माताओं ने सस्ता क्राफ्ट पेपर बना कर चीन को बेचना शुरू कर दिया। इससे भी रद्दी की बाजार में किल्लत आ गई। लुधियाना हैंड टूल्स एसोसिएशन के प्रधान एससी रल्हन ने कहा कि उद्योगों के लिए पैकेजिंग अहम है। पैकेजिंग पर खर्च ही 35 से 40 फीसद तक बढ़ गया है। इसे मैनेज करना मुश्किल हो रहा है। सरकार को बढ़ रही इनपुट लागत को कम करने के लिए उपाय करने की जरूरत है।

फ्लिपकार्ट ने अडाणी ग्रुप से मिलाया हाथ, 2500 लोगों को मिलेगा रोजगार

नईदिल्ली । वालमार्ट के स्वामित्व वाली ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट ने सोमवार अडाणी ग्रुप के साथ हाथ मिला लिया है. कंपनी की ओर से बयान जारी कर कहा गया कि इससे लॉजिस्टिक्स और डेटा केंद्र क्षमताओं को मजबूत करने के लिए ये साझेदारी की गई है. इससे करीब 2,500 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा. साथ ही छोटे और मझोले कारोबारियों को मदद मिलेगी.

कंपनी ने बताया कि इस समझौते से फ्लिपकार्ट, अडाणी पोर्ट्स लिमिटेड एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी अडाणी लॉजिस्टिक्स लिमिटेड के साथ मिलकर काम करेगी. इससे आपूर्ति श्रृंखला के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में मदद मिलेगी. इससे ग्राहकों को तेजी से सेवाएं मुहैया कराई जा सकेंगी.

फ्लिपकार्ट जल्द ही अपने तीसरे डेटा सेंटर की स्थापना करेगा. ये सेंटर अडाणी कॉनेक्स के चेन्नई में स्थापित किया जाएगा. अडाणी कॉनेक्स, एजकॉनेक्स और अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड के बीच ये एक संयुक्त उद्यम है. हालांकि कंपनी ने इसके वित्तीय ब्यौरे के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी.

आपकी सेहत और सौंदर्य के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं कच्चा नारियल, जानिए फायदे

नारियल का इस्तेमाल पूजा से लेकर खाने के स्वाद को बढ़ाने के लिए किया जाता हैं। सेहत और सौंदर्य दोनों ही रूप में नारियल का इस्तेमाल किया जाता है। आपने अधिकतर नारियल के गुणों के बारे में सुना होगा। जहां बालों की ग्रोथ और उन्हें हेल्दी रखने के लिए नारियल तेल का इस्तेमाल किया जाता है, वहीं त्वचा में चमक लाने के लिए भी इसका खूब उपयोग किया जाता है। लेकिन क्या आपने कच्चे नारियल के फायदो के बारे में सुना है अगर नहीं तो जरूर जानें क्योंकि नारियल पोषक तत्वों का खजाना है। जो आपकी सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं। कच्चा नारियल खाने के फायदे..

- यदि आप पेट संबंधी परेशानी से जूझ रहे है, तो कच्चा नारियल के सेवन से आपको पेट की समस्या से राहत मिल सकती है। यदि आप कच्चा नारियल का सेवन करते है, तो कब्ज की समस्या आपको परेशान नहीं करेगी।

- यदि ड्राई स्किन से परेशान है, तो आपको कच्चा नारियल खाना चाहिए। इसके सेवन से आपकी स्किन सुंदर बनी रहेगी। कच्चे नारियल में मौजूद वसा आपकी त्वचा को पोषण देती हैं, इसे हाइड्रेटेड कर कोमल बनाएं रखने में मदद करती हैं। त्वचा में रूखेपन को खत्म कर मुलायम, सॉफ्ट स्किन बनी रहती है।

- बढ़ते वजन से परेशान है, तो कच्चा नारियल खाने से आप अपने वजन को नियंत्रित कर सकते हैं, क्योंकि ये क्रेविंग को कंट्रोल करने में मदद करता है। इसके अलावा, यह कोलेस्ट्रॉल लेवल को कंट्रोल में रखता है।

- जब आप कच्चे नारियल कोचबाते हैं, तो आपकी जॉलाइन का एक बेहतर व्यायाम होता है, जिससे उसकी शेप बेहतर होती है यह चेहरे की मांसपेशियों का व्यायाम करने का एक शानदार तरीका है।

विवाह फिल्म में 'छोटी' का किरदार निभाने वाली अमृता प्रकाश का कातिलाना अंदाज आया सामने

बॉलीवुड फिल्म विवाह की छोटी अब एक नए ग्लैमरस लुक में नजर आ रही है। फिल्म 'विवाह' बॉक्स-ऑफिस पर सुपरहिट रही थी। इस फिल्म में शहीद कपूर के साथ 'छोटी' के किरदार के रूप में काम किया था।

उन्होंने इस फिल्म की एक्ट्रेस अमृता राव की छोटी बहन के रूप में अपने अभिनय की अद्भुत छाप छोड़ी थी। अब इस फिल्म को बने करीब 15 साल बीत चुके है इन पंद्रह सालों में अमृता प्रकाश में काफी बदलाव आ गया है। वह

अब काफी खूबसूरत और हॉट नजर आने लगी है। इन तस्वीरों को देख आप भी अंदाजा नहीं लगा पायेंगे कि यह वहीं 'छोटी' है, जो उस समय कुछ अलग सी नजर रही थी।

अमृता प्रकाश ने फिल्मों में बचपन से ही काम करना शुरू कर दिया था बॉलीवुड फिल्मों के साथ-साथ अमृता ने कई टीवी शोज और मलयालम फिल्मों में भी काम किया है. अमृता प्रकाश ने बॉलीवुड में फिल्म तुम बिन से अपने करियर की शुरुआत की थी और यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट रही थी. अपनी आगे की पढ़ाई को पूरी करने के लिए अमृता प्रकाश ने बॉलीवुड की दुनिया से थोड़ा ब्रेक ले लिया था अमृता प्रकाश ने मंबई यूनिवर्सिटी से कॉमर्स और बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में मास्टर डिग्री प्राप्त की है.

अरिजीत सुझाव के लिए हमेशा तैयार रहते हैं : हिमानी कपूर

गायिका हिमानी कपूर हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'पगलेट' में अपने गीत 'थोड़े कम अजनबी' को मिली प्रतिक्रिया से काफी रोमांचित हैं। 32 वर्षीय इस गायिका ने बताया कि वह इस गीत के साथ जुड़कर काफी रोमांचित हैं, जिसे पहली बार अरिजीत सिंह द्वारा कम्पोज किया गया है। वह कहती हैं, पिछले साल 24 अगस्त को मेरे जन्मदिन पर मुझे तरसेम मित्तल (संगीत जगत से जुड़े उद्यमी) का कॉल आया। उस वक्त उन्होंने मुझसे कहा कि अरिजीत

'पगलेट' के साथ एक संगीतकार के तौर पर अपना डेब्यू करने जा रहे हैं और वह मुझसे इस एल्बम का एक गीत गवाना चाहते हैं। यह मेरे जन्मदिन का सबसे शानदार तोहफा रहा। मैं बहुत खुश हुई क्योंकि मुझे फिल्म की कहानी

बनाएं विटामिन्स और कई तरह के न्यूट्रिशन से भरपूर लोबिया करी

विटामिन ए, बी1, बी2, बी3, बी5, बी6, के अलावा फोलिए एसिड, आयरन, मैगनीज़, थियामीन, जिंक, कॉपर और कैल्शियम जैसे मिनरल्स से भरपूर लोबिया को आप अलग-अलग तरीकों से खाने में शामिल कर सकते हैं।

सामग्री :

तेल- 1 टेबलस्पून, जीरा- 1.5 टीस्पून, टमाटर-प्याज का पेस्ट- 3/4 कप, लाल मिर्च पाउडर- 1 टीस्पून, हल्दी- 1 टीस्पून, धनिया पाउडर- 1.5 टीस्पून, नमक- स्वादानुसार, लोबिया- 1 कप, पानी- 2 कप

विधि :

लोबिया को अच्छी तरह स धोकर 3-4 घंटे के लिए भिगोने के लिए रख दें। 3-4 घंटे काफी है इसे अच्छी तरह से फूलने के लिए।

अब पैन गरम करें। इसमें तेल डालें। अच्छी तरह गर्म हो जाए तो जीरा डालकर तड़का लगाएं। फिर इसमें टमाटर-प्याज का पेस्ट डालकर अच्छी तरह भूनें। इसके साथ ही इसमें लाल मिर्च पाउडर, हल्दी, धनिया पाउडर और नमक डालकर मिक्स करें। मसाला अच्छी तरह भून गया है इसका पता लग जाएगा तब मसाले के किनारे आपको तेल नजर आने लगे।

अब इसमें लोबिया डालें साथ ही 2 कप पानी भी।

ढक्कन से ढक दें और धीमी आंच पर 10-15 मिनट पका लें। बींस पका है या नहीं ये आप बीच-बीच में चेक भी कर सकती हैं।

तैयार होने के बाद ऊपर से हरी कटी धनिया डालें और गरम मसाला।

गरमा-गरम चावल या रोटी के साथ सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 47

बाएं से दाएं
1. कतार, क्रम, पांत 2. लज्जत, जायका 4. कारण, वजह 7. सुंदर प्रतीत होना, सुखद होना 8. घोड़े आदि का मल 9. अक्सर, ज्यादातर 10. चक्की में पीसना, मसलना, कुचलना 12. धनुष, फौजी टुकड़ी 13. आभूषण, जेवर 15. लहरों का चक्कर, जलावर्त, भ्रमर 17. बायां, विरुद्ध 18. गाना, नगमा 19. लाचार, विवश 22. नमन, प्रणाम 25. चौकी, थाना 26. इकरार, समझौता, ठेका 27. अधिकार होना, सामर्थ्य होना (मुहा.)।

ऊपर से नीचे
1. एक प्रदेश जिसकी राजधानी चंडीगढ़ है 2. हविर्दान के समय उच्चारित एक शब्द, भष्म 3. दन-दन करते हुए 5. बलशाली, बलवाला 6. परिवर्तित करना, पहले से भिन्न हो जाना 7. चांद, चंद्रमा, रजनीश 11. अप्रिय, अरुचिकर 14. मैं का बहुवचन 15. भंगेड़ी, भंग करने वाला, झाड़ू लगाने तथा मैला साफ करने वाली 16. मातृभूमि, स्वदेश 19. मक्खन, माखन 20. बुढ़ापा, धन, ज्वर 21. टालना, हटाना, बहाना करके हटाना 23. सीमा, हद 24. सौ का पाचवां हिस्सा 25. घोड़े के पैरों में लगाने का लोहे का टुकड़ा, पौधे आदि का डंठल।

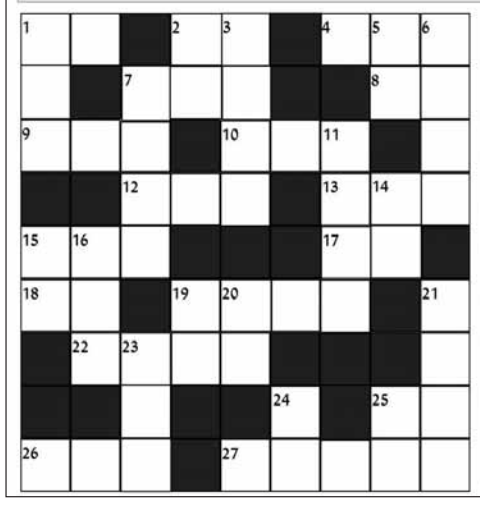

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 46 का हल

वि	ज	य	■	ब	नि	या	■	दे
वा	■	ती	त	र	■	रा	जी	व
ह	मा	म	■	स	प	ना	■	ता
■	न	■	■	■	टा	■	■	■
दा	व	त	■	वि	ना	श	■	अ
य	■	ह	त्या	■	■	ह	र्जा	ना
रा	ह	त	■	न	ज	र	■	व
■	वा	■	■	■	मी	■	ना	श्य
दु	ला	रा	■	जा	न	की	■	क

सू-दोकू- 47

	3		7				2	1
2				9		4		
	7		1				5	
		1		5		2		7
	5				4			
		4		1		8		5
					1			
1		5		3		9		
	2		6		5		1	

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.46 का हल

8	9	5	1	6	3	2	4	7
3	2	1	9	7	4	8	6	5
4	7	6	2	5	8	3	9	1
7	6	9	5	2	1	4	3	8
1	8	3	4	9	7	6	5	2
2	5	4	8	3	6	1	7	9
5	3	8	7	4	2	9	1	6
6	1	7	3	8	9	5	2	4
9	4	2	6	1	5	7	8	3

आज का राशिफल

मेषः आर्थिक लाभ होगा, न्यायालय से लाभ मिलेगा, मान सम्मान मिलेगा. संतान से मन प्रसन्न रहेगा, आपके कर्म क्षेत्र में विस्तार होगा। पदोन्नत होने की संभावनाएं बन रही हैं।

वृषः आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। नया वाहन खरीद सकते हैं। पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। संतान से मन प्रसन्न रहेगा।

मिथुनः धन की स्थिति अच्छी होंगी परिवार में शुभ कार्य होगा। भाई बहनों का सुख मिलेगा माता से लाभ मिलेगा. रोजी रोजगार के अवसर मिलेंगे।

कर्कः अपनी स्थिति को नियंत्रण में रखें तनाव की स्थिति हो सकती है। वाद विवाद से बचें। दूर देश की यात्रा हो सकती है। कटु भाषा बोलने से प्रहेज करें, माली हालत अच्छी होगी।

सिंहः सिंह राशि के जातको को आज आपकी महत्वाकांक्षाएं पूर्ण होगी। मान सम्मान मिलेगा, दूर देश की यात्रा होगी। पत्नी से वैचारिक मतभेद रहेगा। छोटी-छोटी बात को लेकर तनाव की स्थिति बन सकती है।

कन्याः आज आपको मान सम्मान मिलेगा, आपकी दूरदर्शी योजनाये पूर्ण होने का योग बन रहा है। वाहन खरीद सकते हैं, जमीन खरीदने का भी योग बन रहा है। शत्रुओं से तनाव की स्थिति बनी रहेगी।

तुलाः आपका मान-सम्मान बढ़ेगा, दांपत्य जीवन में सुधार होगा। पत्नी का सुख मिलेगा। जमीन खरीद सकते हैं, रियल एस्टेट में निवेश करते हैं तो अच्छा लाभ मिलेगा, पिता का सुख मिलेगा।

वृश्चिकः आज आपको लाभ मिलेगा, रियल एस्टेट में पूंजी निवेश करते हैं तो आपको लाभ मिलेगा। भाई बहनों का सुख मिलेगा। पिता से मार्गदर्शन एवम धन लाभ मिलेगा।

धनुः धनु राशि के जातक आज आपको अपने गुस्से पर कंट्रोल करें। परिवार में शुभ कार्य होगा, कई महत्वपूर्ण कार्य होंगे। धन लाभ होगा, परिवार में शुभ कार्य होगा।

मकरः आज आपके रुके हुए धन मिलेंगे। कई महत्वपूर्ण कार्य संपन्न होंगे। लेखन कार्य से धन मिलेगा। साहित्य सृजन में बड़ा नाम होगा।

कुंभः आज आपको लाभ मिलेगा। आपकी महत्वकांक्षाएं पूर्ण होंगी। दूर देश की यात्रा होगी। रोग और शत्रु से अपने को घिरे हुए महसूस करेंगे। दांपत्य जीवन में सुधार होगा।

मीनः आज आप को पिता से लाभ मिलेगा. संतान सुख मिलेगा। जीवन साथी का सुख एवम सहयोग मिलेगा। जीवन साथी को नौकरी मिल सकता है।